NCERT SOLUTIONS

CLASS - 12th



aglasem.com

Class : 12th
Subject : History
Chapter : 13
Chapter Name : महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन - सविनय अवज्ञा और उससे आगे

Q1 महात्मा गांधी ने आम लोगों के साथ कैसे पहचान बनाई?

Answer. महात्मा गांधी ने निम्नलिखित तरीकों से आम लोगों की पहचान करने की मांग की -
→ वह आम लोगों की भाषा बोलते थे।
→ उन्होंने वह पोशाक पहनी थी जो आम या गरीब लोग पहनते थे।
→ उन्होंने जाति व्यवस्था का विरोध किया।
→ उन्होंने चरखे पर काम किया।
→ वह शौचालय की सफाई करते थे।

Page : 374 , Block Name : Short Answer

Q2 महात्मा गांधी को किसानों द्वारा कैसे माना जाता था?

Answer. गांधीजी को किसानों ने माना था क्योंकि उन्होंने उनके लिए काम करना शुरू कर दिया था। गाँधीजी खेड़ा के किसानों से उनकी फसल की विफलता के बाद करों की छूट के लिए राज्य से माँग करने में शामिल हो गए। बाद में जब उन्होंने बीएचयू में अपना उद्घाटन भाषण दिया, तो उन्होंने उन किसानों को चुना जिन्होंने बहुसंख्यक भारतीय आबादी का गठन किया। गांधीजी को अपने उपदेशों को व्यवहार में लाने के अवसर के साथ प्रस्तुत किया गया था। दिसंबर 1916 में लखनऊ में आयोजित वार्षिक कांग्रेस में, उन्हें बिहार के चंपारण के एक किसान से संपर्क किया गया, जिन्होंने उन्हें ब्रिटिश इंडिगो प्लांटर्स द्वारा किसानों के कठोर उपचार के बारे में बताया।
Page : 374 , Block Name : Short Answer

Q3 नमक कानून संघर्ष का एक महत्वपूर्ण मुद्दा क्यों बन गया?

Answer. निम्नलिखित कारणों से नमक कानून संघर्ष का एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया -
→ हर भारतीय घर में नमक एक बुनियादी घटक है, नमक अपरिहार्य है, फिर भी लोगों को घरेलू उपयोग के लिए भी नमक बनाने से मना किया गया है, उन्हें इसे उच्च मूल्य पर दुकानों से खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है।
→ नमक पर राज्य का एकाधिकार था।
यह कानून बहुत अलोकप्रिय था फिर भी गांधीजी को ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक व्यापक असंतोष जुटाने की उम्मीद थी।

Page : 374 , Block Name : Short Answer

Q4 राष्ट्रीय आंदोलन के अध्ययन के लिए समाचार पत्र एक महत्वपूर्ण स्रोत क्यों हैं?

Answer. समाचार पत्रों ने राष्ट्रीय आंदोलन के अध्ययन के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत का काम किया क्योंकि इसने महात्मा गांधी के आंदोलनों पर नज़र रखी और उनकी गतिविधियों की रिपोर्ट की और यह भी प्रतिनिधित्व किया

कि आम भारतीय उनके बारे में क्या सोचते हैं। अख़बारों के खातों को हालांकि अजेय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वे उन लोगों द्वारा प्रकाशित किए गए थे जिनके पास अपनी राजनीतिक राय और दुनिया के विचार थे।

Page : 374 , Block Name : Short Answer

Q5 चरखे को राष्ट्रवाद के प्रतीक के रूप में क्यों चुना गया?

Answer. महात्मा गांधी आधुनिक युग के खिलाफ थे जिसमें मशीनों ने मानव और विस्थापित श्रमिकों को गुलाम बनाया। उन्होंने चरखे को एक ऐसे मानव समाज के प्रतीक के रूप में देखा, जो मशीनों और प्रौद्योगिकी का महिमामंडन नहीं करेगा। चरखा, इसके अलावा, गरीबों को पूरक आय प्रदान कर सकता है और उन्हें आत्मनिर्भर बना सकता है।

Page : 374 , Block Name : Short Answer

Q6 असहयोग आंदोलन किस तरह विरोध का एक रूप था?

Answer. असहयोग आंदोलन निम्नलिखित तरीकों से विरोध का एक रूप था:
→ रौलट सत्याग्रह की सफलता से सन्निहित, गांधीजी ने ब्रिटिश शासन के साथ "असहयोग" के अभियान के लिए कहा। औपनिवेशिक शासन को समाप्त करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों को स्कूलों, कॉलेजों और कानून अदालतों में जाने से रोकने, करों का भुगतान न करने के लिए कहा गया था। यदि लोग इसका अनुसरण करते हैं तो यह ब्रिटिश सरकार के कार्यों को बाधित करेगा।
→ छात्रों ने सरकार द्वारा संचालित स्कूलों और कॉलेजों में जाना बंद कर दिया। वकीलों ने अदालतों में जाने से इनकार कर दिया। मजदूर वर्ग कई शहरों में हड़ताल पर चले गए।
→ कुमाऊं में किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों के लिए भार उठाने से इनकार कर दिया।
असहयोग आंदोलन के परिणामस्वरूप ब्रिटिश राज 1857 के विद्रोह के बाद पहली बार अपनी नींव से हिल गया था।

Page : 375 , Block Name : Long Answer

Q7 गोलमेज सम्मेलन में संवाद अनिर्णायक क्यों थे?

Answer. गोलमेज सम्मेलन का आयोजन ब्रिटिश सरकार द्वारा लंदन में किया गया था। पहली बैठक नवंबर 1930 में आयोजित की गई थी, लेकिन भारत में पूर्व-प्रख्यात राजनीतिक नेता के बिना, इस प्रकार इसे व्यर्थता में बदल दिया गया। वायसराय के साथ कई लंबी बैठकें हुईं, इसके परिणामस्वरूप "गांधी-इरविन समझौता" हुआ, जिसकी शर्तों के अनुसार सविनय अवज्ञा आंदोलन को बंद कर दिया जाएगा, सभी कैदियों को रिहा कर दिया जाएगा और तट के किनारे नमक निर्माण की अनुमति दी जाएगी। इस समझौते की आलोचना कट्टरपंथी राष्ट्रवादी ने की थी। गांधीजी वायसराय से भारतीयों के लिए राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्धता प्राप्त करने में असमर्थ थे; वह उस संभावित अंत की ओर केवल बातचीत का आश्वासन प्राप्त कर सकता था। 1931 के उत्तरार्ध में लंदन में एक दूसरा गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया। यहाँ, गांधीजी ने कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया। हालाँकि, उनका दावा है कि उनकी पार्टी ने पूरे भारत का प्रतिनिधित्व किया को तीन पार्टियों से चुनौती आई - मुस्लिम लीग, प्रिंसेस, डॉ बी आर अम्बेडकर, जिन्होंने तर्क दिया कि गांधीजी और कांग्रेस वास्तव में सबसे निचली जातियों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। इस प्रकार, गोलमेज सम्मेलन अनिर्णायक थे, इसलिए गांधीजी भारत लौट आए और सविनय अवज्ञा को फिर से शुरू किया।

Page : 375 , Block Name : Long Answer

Q8 किस तरह से महात्मा गांधी ने राष्ट्रीय आंदोलन के स्वरूप को बदल दिया?

Answer. जनवरी 1915 में एम के गांधी भारत लौट आए। महात्मा गांधी ने 1893 में जो भारत छोड़ा था, वह 1915 की तुलना में अलग था, जब वह वापस लौट आए। यहां के लोग राजनीतिक रूप से कहीं अधिक सक्रिय हो गए। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अब अधिकांश प्रमुख शहरों और कस्बों में शाखाएँ थीं। वर्ष 1917 में गांधीजी किसानों के लिए लड़ने के लिए बिहार के चंपारण गए। वह किसानों को अपनी पसंद की फसलों की खेती करने की स्वतंत्रता और साथ ही कार्यकाल की सुरक्षा प्राप्त करने के लिए चंपारण गए थे। 1918 में, गांधीजी दो अभियानों में पहले अहमदाबाद कपड़ा मिलों में और दूसरे खेड़ा में शामिल थे। गांधीजी ने बाद में खिलाफत के साथ असहयोग किया। इन आंदोलनों ने निश्चित रूप से लोकप्रिय कार्रवाई में वृद्धि की, जो औपनिवेशिक भारत में पूरी तरह से अभूतपूर्व थी। 1922 तक, गांधीजी ने भारतीय राष्ट्रवाद को बदल दिया, जिससे उन्होंने फरवरी 1916 के अपने बीएचयू भाषण में किए गए वादे को भुनाया। अगला नमक सत्याग्रह था जो फिर से एक सफल कदम था। फिर अगस्त 1942 में भारत छोड़ो अभियान आया जो वास्तव में एक जन आंदोलन था। जब महात्मा गांधी राजनीति में शामिल हुए, तो यह केवल एक संघर्ष था। वास्तव में कांग्रेस की बैठकें भी केवल भारतीयों तक ही सीमित थीं। उन्होंने अपने प्रयासों के माध्यम से गरीब किसानों, कारीगरों, महिलाओं और अन्य लोगों को विभिन्न प्रकार की पृष्ठभूमि और स्वतंत्रता संग्राम में एक साथ लाया।

Page : 375 , Block Name : Long Answer

Q9 निजी पत्र और आत्मकथाएँ हमें किसी व्यक्ति के बारे में क्या बताती हैं? ये स्रोत आधिकारिक खातों से कैसे भिन्न हैं?

Answer. निजी पत्र और आत्मकथाएँ सूचना के महत्वपूर्ण स्रोत हैं जो हमें विभिन्न मुद्दों के बारे में किसी व्यक्ति की धारणा में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। निजी पत्र हमें उनके निजी विचारों की एक झलक देते हैं। पत्रों में हम लोगों को उनके क्रोध और दर्द, उनके निराशा और चिंता, उनकी आशाओं और निराशाओं को व्यक्त करते हुए देख सकते हैं। आत्मकथाएँ हमें उस अतीत का लेखा-जोखा देती हैं जो अक्सर मानवीय विस्तार से समृद्ध होता है। कई बार पत्र व्यक्तियों को लिखे जाते हैं और इसलिए व्यक्तिगत होते हैं, लेकिन वे जनता के लिए भी होते हैं। अक्षरों की भाषा अक्सर इस जागरूकता से आकार लेती है कि एक दिन वे प्रकाशित हो सकते हैं। निजी पत्र और आत्मकथाएं सरकारी खातों से कई मायनों में भिन्न होती हैं, जैसे सरकारी अधिकारियों द्वारा आमतौर पर आधिकारिक खातों को बनाए रखा जाता है। ये खाते कुछ मानदंडों या तरीकों के अनुसार लिखे जाते हैं, जिन्हें सरकार स्वीकार करती है। सरकारी रिकॉर्ड में उन विवरणों पर जोर दिया जाता है या आमतौर पर व्यक्त किया जाता है जो सरकार के विचारों के विपरीत हैं।

Page : 375 , Block Name : Long Answer

Q10 दांडी मार्च मार्ग के बारे में जानें। गुजरात के मानचित्र पर इस यात्रा के मार्ग को दर्शाए और मार्ग के साथ गुजरने वाले प्रमुख शहरों और गांवों को चिह्नित करते हैं।

Answer. दांडी मार्च साबरमती आश्रम से शुरू हुआ और दांडी में समाप्त हुआ।

Page : 375 , Block Name : Map Work

aglasem.com